

01. महेंद्रसिंह परिहार पुत्र स्व. श्री जमनीराम परिहार, जति भागी, जिवासी बाँकिया बेरा, मारा पूजगा, जोधपुर हाल मरुज सडक मारा पूजगा जोधपुर।

02. दुर्वासिंह पुत्र स्व. श्री जवादीशसिंह

03. माणकसिंह पुत्र स्व. श्री जवादीशसिंह

04. श्रीमती अजादी पत्नी स्व. श्री जवादीशसिंह

अपीलाधी संख्या दो से चार सषी जति भागी जिवासी बाँकिया बेरा, पूजगा जोधपुर।

05. श्रीमती शति पुत्री स्व. श्री जवादीशसिंह पत्नी श्री बहासिंह जहला, जिवासी शियाली बेरा, मण्डर, जोधपुर।

06. शरसिंह पुत्र स्व. श्री जमनीराम

07. बालकिशोर उर्फ बालराम पुत्र श्री प्रभासिंह

08. श्रीमती ललिता पुत्री स्व. श्री प्रभासिंह

09. जशीदा पुत्री स्व. श्री प्रभासिंह

10. सभागाल पुत्र स्व. श्री जमनीराम

अपीलाधी संख्या छः से न्यारह सषी जति भागी जिवासी बाँकिया बेरा, पूजगा, जोधपुर।

11. श्रीमती राध पुत्री स्व. श्री जमनीराम, जिवासी बारली चारवाला, पूजगा जोधपुर।

अपीलाध ...

ब

ली

म

01. सत्यनारायण पुत्र श्री बाँराम, जति भागी, जिवासी कंवर ऑफ नथमल धारीवाल, धारीवाली का मोहला, महासिंह, जोधपुर।

02. श्रीमती कमला पुत्री स्व. श्री जमनीराम, पत्नी श्री हरसिंह सायल, जति भागी, जिवासी भावा का खोल

मिंदर के सामने, पूजगा, जोधपुर।

03. श्रीमती लिकया पुत्री स्व. श्री जमनीराम, पत्नी श्री सपसिंह जति भागी, जिवासी- खोखरिया बेरा, मण्डर

जोधपुर।

04. श्रीमती जितला पत्नी स्व. श्री यशसिंह, जति भागी

05. पवनदीप पुत्र स्व. श्री यशसिंह, अवरक,

06. पयल पुत्री स्व. श्री यशसिंह, अवरक, पयली संख्या पाव व छः अवरक जरा उलाकी प्राकृतिक संरक्षिका

राजस्व अधीन पाठिकारी
जोधपुर



36. श्रीवाराणसी पुत्र स्व. श्री अमरनाथ
35. श्रीवाराणसी पुत्र स्व. श्री अमरनाथ
34. इवम सिंह पुत्र श्री अमरनाथ
33. छत्रगाल पुत्र स्व. श्री अमरनाथ
32. श्रीगणेश पुत्री स्व. श्री जगन्नाथसिंह
31. श्रीगणेश पुत्री स्व. श्री जगन्नाथसिंह
30. इवमसिंह पुत्र स्व. श्री शंकरगाल
29. जगन्नाथसिंह पुत्र स्व. श्री शंकरगाल
28. श्रीजगन्नाथसिंह पुत्र स्व. श्री शंकरगाल
27. श्रीगणेश पुत्री स्व. श्री शंकरगाल
26. कृष्ण पुत्री स्व. श्री शंकरगाल
25. श्रीगणेश पुत्री स्व. श्री शंकरगाल
24. श्रीगणेश पुत्र स्व. श्री शंकरगाल
23. श्रीगणेश पुत्र श्री कान्हासिंह
22. श्रीमती अम्बिका देवी पत्नी स्व. श्री शंकरगाल
21. श्रीगणेश पुत्र स्व. श्री शंकरगाल
20. श्रीमती वंदना देवी पुत्री स्व. श्री शंकरगाल
19. श्रीमती विद्या देवी पुत्री स्व. श्री शंकरगाल
18. श्रीमती विद्या देवी पुत्री स्व. श्री शंकरगाल
17. श्रीमती यशोदा देवी पुत्री स्व. श्री शंकरगाल
16. श्रीमती यशोदा देवी पुत्री स्व. श्री शंकरगाल
15. श्रीमती यशोदा देवी पुत्री स्व. श्री शंकरगाल
14. श्रीमती यशोदा देवी पुत्री स्व. श्री शंकरगाल
13. श्रीमती यशोदा देवी पुत्री स्व. श्री शंकरगाल
12. श्रीमती यशोदा देवी पुत्री स्व. श्री शंकरगाल
11. श्रीमती यशोदा देवी पुत्री स्व. श्री शंकरगाल
10. श्रीमती यशोदा देवी पुत्री स्व. श्री शंकरगाल
09. श्रीमती यशोदा देवी पुत्री स्व. श्री शंकरगाल
08. श्रीमती यशोदा देवी पुत्री स्व. श्री शंकरगाल
07. श्रीमती यशोदा देवी पुत्री स्व. श्री शंकरगाल



37. શ્રીમતી મજૂ પત્ની સ્વ. શ્રી પન્નાગાલ
38. વિકાસ પુત્ર સ્વ. શ્રી પન્નાગાલ અવધરુક
39. મણિષ પુત્ર સ્વ. શ્રી પન્નાગાલ અવધરુક
40. યુલિયા પુત્રી સ્વ. શ્રી પન્નાગાલ અવધરુક
41. શરણી પુત્ર સ્વ. શ્રી સ્વર્ણાલક્ષ્મી
42. શ્રીમતી વૃણા પત્ની સ્વ. શ્રી સ્વર્ણાલક્ષ્મી
43. સ્વર્ણાલક્ષ્મી પુત્ર સ્વ. શ્રી મોહનરામ
44. શરણી પુત્ર સ્વ. શ્રી મોહનરામ
45. વૃણાલક્ષ્મી પુત્ર સ્વ. શ્રી મોહનરામ
46. ગર્જણી પુત્ર સ્વ. શ્રી મોહનરામ
47. શ્રીમતી મોહનરામ પત્ની શ્રી સમીક્ષા જાતિ આલી જોડણ
48. શ્રીમતી કિરુણ કવર પત્ની સ્વ. શ્રી કુંજરલક્ષ્મી જાતિ આલી જોડણ, જિવાસી-17-18 સ્ટેટલાઈટ અસ્પતાલ રોડ, ત્યાપુરા મહાનગર, જોડણ
49. શ્રીમતી ગૃહવતી પત્ની શ્રી રામચંદ્ર પરિહાર, જાતિ આલી, જિવાસી મહાનગર જોડણ
50. શ્રીમતી અવતી પત્ની શ્રી શરણી પરિહાર, જિવાસી મહાનગર જોડણ
51. ગણેશ પુત્ર શ્રી ગણેશ જાતિ આલી, જિવાસી રાજીવ કોલેજ, મહાનગર જોડણ
52. ગણેશ પુત્ર શ્રી અવતી, જાતિ આલી જિવાસી મહાનગર જોડણ
53. ગણેશ પુત્ર શ્રી અવતી, જાતિ આલી જિવાસી મહાનગર જોડણ
54. સંતોષ પુત્ર શ્રી અવતી જાતિ આલી જિવાસી મહાનગર જોડણ
55. અમરુ પરિહાર પુત્ર સ્વ. શ્રી અવતી જાતિ આલી પરિહાર, જિવાસી મહાનગર જોડણ
56. શ્રીમતી અવતી પત્ની શ્રી અવતી જાતિ આલી જિવાસી મહાનગર જોડણ
57. શ્રીમતી શરણી પત્ની શ્રી અવતી જાતિ આલી જિવાસી મહાનગર જોડણ
58. અવતી પત્ની શ્રી અવતી જાતિ આલી જિવાસી મહાનગર જોડણ
59. અવતી પુત્ર શ્રી અવતી જાતિ આલી જિવાસી મહાનગર જોડણ
60. અવતી પુત્ર શ્રી અવતી જાતિ આલી જિવાસી મહાનગર જોડણ
61. અવતી પુત્ર શ્રી અવતી જાતિ આલી જિવાસી મહાનગર જોડણ



१२

62. श्रीमती शाशिका रवींद्र पुत्री श्री रवींद्रसिंह रवींद्र
राजपूत, जिवासी बाकिचा बेटा पूजला जायपर।
63. श्रीमती विमला सोलंकी पुत्री श्री सुभाषसिंह, जालि
राजपूत, जिवासी बाकिचा बेटा पूजला जायपर।
64. श्रीमती इंडा पुत्री श्री वैनायाम टाक, जालि आली,
जिवासी पीपंड सिटी तहसील विगाडा जिला जायपर।
65. स्वामिनी कच्छवाहा पुत्र श्री गुलशाम, जालि आली,
जिवासी जालंड पीपंड रोड, तहसील भीपाजवा, जिला
जायपर।
66. वरसिंहयाम पुत्र श्री किशोरयाम टाक, जालि आली,
जिवासी पीपंड राठर तहसील विगाडा जिला जायपर।
67. श्रीमती सुमनदेवी पुत्री श्री सप्तदशाल कच्छवाहा
जिवासी पीपंड राठर तहसील विगाडा जिला जायपर।
68. श्रीमती रामबायी पुत्री श्री जितेंद्रसिंह
जिवासी पीपंड राठर तहसील विगाडा जिला जायपर।
69. जितेंद्रसिंह पुत्र श्री विरपारीसिंह, जालि आली, जिवासी
बाकिचा बेटा, पूजला जायपर।
70. श्रीमती शोवती देवी पुत्री श्री सत्यनारायण सोलंकी,
जालि आली, जिवासी बाकिचा बेटा, पूजला जायपर।
71. दीनदास पुत्र श्री मनोहरदास जालि साद, जिवासी
मथालिया, तहसील आसिया जिला जायपर।
72. श्रीमती जयश्री पुत्री श्री जगदीकशोर, जालि आली,
जिवासी सोनती रोड शलिया का बास, जायपर।
73. जीवनायाम रामरुही देवा पुष्पात्मदास रामरुही,
जिवासी रामयाम रूडपा, तहसील भीपाजवा, जायपर।
74. श्रीमती सुमन कंवर पुत्री श्री कुवांदन जालि राज.
जिवासी बास, हाडस के पीछे रोकक पखिक रकले के
पास, कपि मण्ड, जायपर।
75. वहीराम पुत्र श्री पदमराम, जालि आली, जिवासी शलिया
को हाणी, तहसील भीपाजवा, जायपर।
76. पुंभाराम पुत्र श्री मोहनराम जालि आली, जिवासी
जोश भाकट भीपाजवा जायपर।
77. अनयसिंह पुत्र श्री किशोरसिंह भाटी, जालि राजपूत,
राजपूत, जिवासी 98, घांठी कालोनी, शवाल की कोठी,
पीली टकी के पास जायपर।
78. विश्वसिंह पुत्र श्री चन्द्रसिंह जालि राजपूत राजपूत,
जिवासी राजपूत की देवली, जूनी बाजार चौक जायपर।
79. राजाराम भासू पुत्र श्री चमणराम, जालि जा.
जिवासी भासावार हाडर, तहसील आसिया जिला
जायपर।
80. श्रीमती अरुणा पुत्री श्री इंदरसिंह परिहार, जालि आली,
जिवासी पाली बाजार, महासिंहयाम, जालि देवी जिवासी
कच्छवाहा भाटीया, तहसील बासू जिला बाडमेर।
81. एकदश इंदरा पुत्र श्री रामसिंहयाम, जालि देवी जिवासी



[Handwritten signature]

82. पदसिंह टाक पुत्र श्री मानसिंह
83. श्रीमती जीता पत्नी श्री पदमसिंह जाति भागी बिवासी पाववती चौराहा, रातनाडा जोधपुर।
84. श्रीमती उषा उर्फ भवती देवी पत्नी श्री धनश्याम जी जाति दाहिज, बिवासी बाहाण का बास, रणसीवाव, नरसील बिनाडा, जोधपुर।
85. रामकरण टाक पुत्री श्री लक्ष्मीदेव जाति भागी बिवासी-डी-44 कौलि नगर मुरख रोड पूनवा, जोधपुर।
86. स्वामनाल भाटी पुत्र श्री फिरदाराम भाटी जाति भागी, बिवासी गृधरी नरसील भीपाजवाड, जोधपुर।
87. सुरेश गडगोत पुत्र श्री डानसिंह जाति भागी, बिवासी नवाडा देस, आला का डाल, पूनवा जोधपुर।
88. भीरमराम पुत्र श्री गुणेशराम, जाति भागी, बिवासी लोकाडा देस, जालण, पीपाड सिटी, जिगा जोधपुर डाल जालगवास पालडी राणावला, नरसील भीपाजवाड, जिगा जोधपुर।
89. ललितराम शर्मा पुत्र श्री लक्ष्मण जाति बाहाण बिवासी भाजिया की टापी, जोगापी नरसील भीपाजवाड, जिगा जोधपुर।
90. काशीसिंह पुत्र श्री भद्रनाल परिसर
91. सप्तसिंह पुत्र श्री भद्रनाल
92. श्रीमती सुमता पत्नी श्री रजनीनाल, जातिपाल भागी बिवासी रावला देस, मारा पूनवा जोधपुर।
93. श्रीमती सुरेश शर्मा पत्नी श्री अजित कुमार, जाति बाहाण बिवासी रकूल खल भैदल के पास, रणस्यपजाल, जिगा सिटी।
94. सुमनाथ पुत्र श्री भद्रनाथ, जाति बाथ, बिवासी बाईयाजाल देस, पूनवा जोधपुर।
95. अमनाल रामा पुत्र श्री राजकिशन जाति बाहाण, बिवासी विद्यानगर, भद्रनाथिया जोधपुर।
96. लालचंद चौहान पुत्र श्री सुमनचंद जाति भागी, बिवासी जूनी बागर, अजित जाली, रोड भेरी रकूल के पास, भद्रनाथिया जोधपुर।
97. प्रकाशराम पुत्र श्री आराम, जाति भागी, बिवासी बागोसिया नरसील भीपाजवाड जोधपुर।
98. श्रीमती वारादेवी पत्नी श्री दुर्गाराम देवडा जाति भागी, बिवासी टूट की बाडी, जोगीर रोड जोधपुर।
99. लक्ष्मण पुत्र श्री गोपाराम, जाति भागी, बिवासी भंड देस, दंडनर, जिगा जोधपुर।
100. राजश्याम सरकार जाति नरसील नर जोधपुर।



अपील अवलोकन द्वारा 225 राजस्थान कारागार
अधिवेशन, 1955 बरखिलाफ आदेश सहायक
कलेक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी, जोधपुर दिनांक 15
अप्रैल 2013 राजस्थान पत्र संख्या 81/2012
महेंद्रसिंह परिहार व अन्य बनाम कमला इत्यादि

उपरि-
0

श्री गार्गम पूनिया, अधिवक्ता-अपीलार्डस
श्री अभयकाश झा, अधिवक्ता रैफाईट संख्या एक
श्री रणवीर सिंह भाटी अधिवक्ता रैफाईट संख्या तीन
श्री दयाराम चौधरी, राजकीय अधिवक्ता, रैफा. संख्या एक सी

जि ए स

अपीलार्डस व न्यायालय सहायक कलेक्टर एवं उपखण्ड
अधिकारी जोधपुर द्वारा राजस्थान पत्र संख्या 81/2012 महेंद्रसिंह
परिहार बनाम कमला इत्यादि में पारित आदेश दिनांक 15 अप्रैल 2013
के खिलाफ आगोच्य अपील अदालत द्वारा के समक्ष राजस्थान
कारागार अधिवेशन, 1955 की धारा 225 के तहत 03 मई 2013 को
पर्यंत की है।

यकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रत्यक्ष संख्या दो व
तीन व एक राजस्थान पत्र संख्या 88/2012 दिनांक सहायक कलेक्टर एवं
उपरखण्ड अधिकारी जोधपुर के न्यायालय में घोषणा खातेदारी व भीम
विभाजन के लिए इस आदेश का प्रस्तुत किया कि आम पूजा वहेली
व जिला जोधपुर के खासा नं. 113/1, 110, 113, 109, 111, 111/1,
112, 114, 115, 108, 106, 107, 107/1, 107/2 कुल रकबा 29 बीघा 16
बिस्वा के 1/4 हिस्से के उनके पिता स्व. श्री जमनीराम खातेदार
कारागार व, जमनीराम जी के हिस्से में वादीवण का 1/3 हिस्सा है,
भीम सामगाली खातेदारी की है, जिसका आज दिन तक कोई विभाजन
नहीं हुआ है। इसके अलावा स्वर्गीय जमनीराम व उपरोक्त भीम के



जोधपुर
अपील अधिकारी

(Handwritten signature)

॥

विभाजन का बाद विचारणीय है तब अजन्ती खरीदार को विशेष विचारित भीम आज भी संयुक्त खरीदारी की है तथा संपूर्ण रकबे के प्राप्त किये किसी प्रकार के कोई अधिकार उत्पन्न नहीं होते है तथा खरीदारी की भीम है, जिसमें अजन्ती खरीदार को बिना विभाजन एक अजन्ती खरीदार है तथा विचारित भीम अविभाजित संयुक्त भीमों में पूर्ण विस्तार को दोहराते हुए कथन किया कि प्रत्यक्ष संख्या बरस पूर्ण गरी। अधिवक्ता-अपीलाट्स ने तब्यों एवं अधीन



की गई।
दिया, जिससे स्पष्ट होकर अधीनस्थ द्वारा आगे रखी परत
अर्थात् विवेकाधीन को हटायें जाने का दिनांक 15 अप्रैल 2013 को आदेश
अधीनस्थ न्यायालय ने उसके विरुद्ध बिना किसी न्यायसंज्ञा कारण के
अजन्ती खरीदार ने एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया, जिस पर विद्वान
जिसको अपारत करने के लिए प्रत्यक्ष संख्या एक/प्रतिवादी संख्या 108
का बंधन हटाने के लिए अधीनस्थ को अर्थात् विवेकाधीन गरी की गई,
ने दिनांक 18.04.2013 को अर्थात् विवेकाधीन गरी कर विशेष भू-भाग
कारवकरी अधिवक्ता का प्रस्तुत किया जिस पर अधीनस्थ न्यायालय
विवेकाधीन प्राप्त करने हेतु एक प्रार्थना पत्र अजन्ती द्वारा 212 राजस्थान
विचारणीय है। वादीनीय ने उपरोक्त बाद के लिखित उत्तर तक अर्थात्
वादीनीय को शाश्वत विवेकाधीन दिनांक जाते। यह बाद अभी भी
वादीनीय के कब्जे कारव भू-भागों के अधीनस्थ के अधीन पर किया जाते।
तथा इसका विभाजन माप व सीमांकन के अधीन पर किया जाते।
उपरोक्त हिस्से पर वादीनीय को खरीदार कारवकार धारित किया जाते
1/24 हिस्से में से प्रत्येक का 1/8 हिस्सा बनता है, उक्त भीम के
के प्राप्त लड़के व लीन लड़कियां वारिस खरीदार है। इस प्रत्येक का
खरीद कर लिया, जिसमें भी वादीनीय का हिस्सा है। जमानत माप वी
1/8 हिस्से के खरीदार आर्यजी प्री सूरजमलजी से उक्त हिस्सा

श्री-शिव भूषण पर से अस्थाई विधेयाज्ञा हटाने का आदेश कर्त विधि विरुद्ध होने से निरस्त किये जाने के योग्य है। विद्वान अधीनस्थ न्यायालय द्वारा प्रत्यक्षी संस्था एक दाला परजुत होने से पूर्व से विनाक न्यायालय का वाद प्रत्यक्षी संस्था एक दाला परजुत होने से पूर्व से विनाक 18.04.2012 से प्रभावी होने में भारी भूल की गई है। इसमें निवेदन करना है कि उक्त भूखण्ड के विरुद्ध श्री विभाजन का वाद अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष विचारणीय है, जब अजगदी खरीददार को अस्थाई विधेयाज्ञा से मुक्त नहीं किया जा सकता, इस कारण श्री अधीनस्थ न्यायालय के विरुद्ध निरस्त योग्य है। अधीनस्थ न्यायालय की प्रभावी प्रविवादीकरण की दायीर में चल रही श्री, निरमं सश्री प्रविवादीकरण की दायीर होकर नवाब नहीं आया है तथा उक्त दायीरिय स्तर पर पूर्व के अस्थाई विधेयाज्ञा के आदेश को हटाने का कोई आधार नहीं था। अधीनस्थ न्यायालय ने प्रत्यक्षी संस्था एक को विवादित शीश को विना विभाजन करवाये जाने से आगे भूखण्डों में टुकड़े करके बेचने की व निरामु आदि करने की विधि कभी भी श्री-शिव की छूट प्रदान कर दी है, जो आदेश शेष पक्षकारोंके विरुद्ध अन्यायपूर्ण होने से निरस्त योग्य है। प्रत्यक्षी संस्था एक अजगदी खरीददार है, जो किसी भी प्रकार से अस्थाई विधेयाज्ञा के आदेश से मुक्ति प्राप्त करने का कर्तव्य अधीनस्थ न्यायालय को पूर्व के कर्तव्य अधीनस्थ न्यायालय को पूर्व के कर्तव्य अधीनस्थ न्यायालय के आदेश से मुक्त नहीं है। विद्वान अधीनस्थ न्यायालय को का कोई अधिकार नहीं है तथा विद्वान अधीनस्थ न्यायालय को अस्थाई विधेयाज्ञा पर संपूर्ण आदेश प्रविवादीकरण के अभाव में, हटाने का कर्तव्य अधीनस्थ न्यायालय के कारण निरस्त योग्य है। अतः श्री अधीनस्थ न्यायालय के अभाव में अस्थाई विधेयाज्ञा को निरस्त किये जाने का



श्री-शिव भूषण पर
 अधीनस्थ न्यायालय
 न्यायालय

राज्य अर्थ विभाग
जोधपुर

॥

संरक्षित किया जाने का आदेश फरमावे।

विभाजन की आज की है। अतः स्व. जमनीराम के हिस्से की भूमि को भूमि में विहित 1/4 हिस्से में विहित क्रमशः 1/8-1/8 हिस्से के स्व. जमनीराम के वारिसाण है। उन्हीं स्व. जमनीराम के विवाहवत्त देसपोंडैट संख्या तीन के अधिवक्ता ने विवेदन किया वादीवण

फरमाया जावे।

कानिबे खरिन है। अतः अधीनारिस द्वारा परवत अधीन को खरिन किया है। अतः अधीनारिस द्वारा परवत अधीन खरिन होने से पूर्व स्वयंन आदेश दिनांक 18.04.2012 को विधिसम्मत रूप से संरक्षित वाद तयार किया है। अधीनारिस ज्ययालय द्वारा उभय पक्ष को सूनाकर अदा कर, भूमि को कय किया है, को परेशान करने की नियत से यह समान लीवों को, जो कि सङ्घातिक क्रमा है तथा निन्तोंने वानार भूख संख्या एक से 17 ने भिगीभवत कर, प्रतिवादी संख्या 108 तथा अन्य विषयाडा जारी नही की जा सकती है। वादीवण एवं प्रतिवादीवण अधिविगत खातेदार के विरुद्ध कानूनी प्रकार की अस्थाई खातेदार कारवाकर है तथा कानिबे है, इस प्रकार एक कानिबे खरिन व एक वरिये रिनरट्ट विकय विलेख के विवादि भूमि के अधिविगत अधिवक्ता के कथनों का विरोध करते हुए तर्क दिया कि देसपोंडैट संख्या नवम में अधिवक्ता-देसपोंडैट संख्या एक ने अधीनार के



ज्ययालय को प्रतिपिबत किये जाने का आदेश फरमावे।

सूनाई का मौका देकर निरवारण किये जाने हेतु मामला अधीनारिस फरमावे तथा पूर्व की एकपक्षीय अस्थाई विषयाडा सभी पक्षकारान को भूखण्ड काटने से वरिये अस्थाई विषयाडा से रोके जाने का आदेश प्रतिवादीवण को वादवत्त भूमि पर जबरन कब्जा करने, निर्माण करने, आदेश फरमावे तथा पर्यर्थी संख्या एक तथा समस्त अनजानी खरीदार

सत्यमेव जयते

विश्व शाकाहार अधिवाहक न कर्ण के लक्ष्य एवं परिस्थितियों
अनुसंधान विभाग प्रतिपत्ति के लक्ष्य एवं परिस्थितियों
वहस पर मजबूत किया गया एवं उपलब्ध अधिवाहक का अधिवाहक
वर्गीकरण पूर्वक अध्ययन किया गया। अधिवाहक न्यायालय की प्रभावशी
के अवलोकन मुआविक वादीविभाग/प्रतिपत्ति के लक्ष्य एवं परिस्थितियों
जमनीयता की प्रकृति बताने हुए विवादावरत आरानी में स्व. जमनीयता
के 1/4 हिस्से में विहित अपने विरासत 1/8-1/8 हिस्से के विभाजन
एवं शाश्वत विधेयाणा हेतु वाद प्रस्तुत किया गया। अधिवाहक न्यायालय
द्वारा प्रतिपत्ति द्वारा प्रस्तुत प्रमाण पर अन्तर्गत धारा 212 को दर्ज
रजिस्टर किया जाकर दिनांक 18.04.2012 को प्रतिपत्ति के पक्ष में स्थान
आदेश पारित कर प्रतिपत्ति के नाम दर्ज विवादावरत अधिवाहक
वैधान्तिक/हस्तारण न करने का आदेश पारित किया गया। अधिवाहक न
अधिवाहक न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर प्रमाण पर अन्तर्गत धारा
212 आर.टी.एच का नवाव प्रस्तुत किया कि स्थान आदेश अधिवाहक
प्रतिपत्ति के विरुद्ध होने से प्रतिपत्ति का प्रमाण पर चलने योग्य नहीं
होने से प्रतिपत्ति किया जावे। प्रतिपत्ति संख्या एक न विवाहित अधिवाहक
प्रस्तुत कर विवेक किया प्रतिपत्ति संख्या एक न विवाहित अधिवाहक
अध्ययन प्रमाण आदेश अधिवाहक है। उक्त अधिवाहक दिनांक 23.08.2010 को
कम की गई है। उक्त वाद व स्थान प्रमाण पर दिनांक 18.04.2012 को
प्रस्तुत किया गया है, विवादावरत अधिवाहक में 109 से अधिक प्रतिपत्ति दर्ज
है। अन्य प्रतिपत्तियों के नाम दर्ज अधिवाहक पर उक्त स्थान आदेश लागू हो
जावे से न अधिवाहक पर कोई कार्रवाई नहीं कर सकते हैं, जिसे स्थान
आदेश से मजबूत किया जावे। अधिवाहक न्यायालय द्वारा उपस्थित उक्त
पक्ष को सुनकर अधिवाहक आदेश दिनांक 15.04.2013 के लक्ष्य एवं
स्थान आदेश को स्थितिगत कर विवादावरत अधिवाहक में प्रतिपत्ति के 1/4



हिसों को स्थान से प्रभावित रहा, जो कॉन्जल विधिसम्मत पढी
दी है।

उपरोक्त विवेक एवं विवेकण के आधार पर अपील अधिनित

आशिक रूप से स्वीकार की जाती है तथा अधिनित स्थायक
कलेक्टर एवं उपर्युक्त अधिकारी जोधपुर द्वारा सार्व प्रदर्शन पर संख्या

81/2012 महेंद्रसिंह परिहार वगैर कमान इत्यादि में पारित आदेश
दिनांक 15 अगस्त 2013 को निरस्त किया जाकर प्रकरण अधिनित

स्थायी सहायक कलेक्टर जोधपुर उदर को इस निर्देश के साथ
पतिप्रतिव किया जाता है कि वह अपाश्रीकरण की सत्यक वाणील प्रस्ताव

उभय पक्ष को सूबकर विधिसम्मत आदेश पारित करे। उभय पक्ष
अधिनित स्थायी के समक्ष दिनांक 04 अक्टूबर 2021 को उपस्थित

रहे। तब तक स्व. जमनीराम के वादस्थान को पाबंद किया जाता है कि
वे विवादग्रत भूमि के 3/32 हिस्से का बेचान हस्तांतरण नही करे।

निर्णय आज सुबे स्थायी के सुनवाई गया।

M. 21/9/2021

(नरमदल वरहठ)
राजस्व अपील अधिकारी,
जोधपुर

